>

Title: Need to open a 'Dry Port' in Jaipur to facilitate exports.

MR. SPEAKER: Shri Girdhari Lal Bhargava.

I always give him chance because of his cooperation. He is an ideal Member. He gets chance because he cooperates. Let us all follow him. आप भी कोआपरेट करो, आप स्लोगन देते हो।

...(व्यवधान)

श्री गिरधारी लाल भार्गव : आप तो रोजाना बोलते हैं।â€¦(व्यवधान) मान्यवर, अध्यक्ष महोदय, मेरा जयपुर शहर में ड्राई पोर्ट पर एक छोटा सा प्रश्न है यानी सूखा बन्दरगाह जयपुर शहर में स्थापित किया जाये। â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: He is such a popular person in Jaipur. There is no doubt about it.

श्री गिरधारी लाल भार्गव (जयपुर) : सूखा बन्दरगाह को वहां इसलिए स्थापित किया जाये कि वहां पर जवाहारात का उद्योग है, मूर्तियों का उद्योग है, रेडीमेड गारमेंट्स का उद्योग है, चित्रकला का उद्योग है, वहां की लाख की चूड़ियां विश्व भर में प्रसिद्ध हैं, वे भी भेजी जाती हैं, सांगानेर की चादरें, रजाइयां और ओढ़नियां भेजी जाती हैं। इन सामानों को वहां से सीधे भेजा जा सके, इसलिए जयपुर शहर में सूखा बन्दरगाह, जिसे अंग्रेजी में ड्राई पोर्ट कहते हैं, स्थापित होना चाहिए।

आपने मुझे समय दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

MR. SPEAKER: Thank you very much.